केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग प्रवीण : प्रश्नपत्र - २

रविवार, ७ जुलाई, २०१९ **समय : दोपहर २.०० से ५.००** **कुल गुण : १००**

स्वामिनारायण
BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (६)	
	३ (८)	
	४ (९)	
	५ (५)	
	६ (६)	
	७ (८)	
	विभाग-१, कुल गुण (५१)	

☞ **अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है** ☜

बिना वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।

परीक्षार्थी का जन्म दिन दिनांक ☐☐ महिना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर.....

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

परीक्षक के हस्ताक्षर .....

परीक्षक की नोंध :-

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	८ (९)	
	९ (५)	
	१० (९)	
	११ (८)	
	१२ (४)	
	१३ (८)	
	१४ (६)	
	विभाग-२, कुल गुण (४९)	

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ આંકડામાં ☐

શબ્દોમાં .....

ચેકરનું નામ

☞ परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ ☜

१. परीक्षार्थी सत्संग प्रारंभ से प्राज्ञ - ३ तक की क्रमशः हर परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद ही अगली परीक्षा दे सकते हैं ।

२. सत्संग शिक्षण परीक्षा के मुख्य दिन परीक्षार्थी के नामलिखित मुख्य पृष्ठ परीक्षा कार्यालय द्वारा प्रिन्ट करके भेजा जाता है । उसके अनुसार ही परीक्षार्थी को परीक्षा की श्रेणी (प्रारंभ, प्रवेश, परिचय आदि...) एवं माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) में परीक्षा देनी होंगी । **इसमें किसी प्रकार का परिवर्तन करके दी गई परीक्षा मान्य नही होगी ।**

३. परीक्षार्थी को पूर्वकसौटी के प्रश्नपत्र की श्रेणी (प्रारंभ, परिचय, प्राज्ञ-१, केवल प्रथम.....) एवं परीक्षा के माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) अनुसार ही मुख्य परीक्षा देनी होगी । पूर्वकसौटी की जानकारी के अनुसार परीक्षा केन्द्र के मुख्य परीक्षा कार्यकर्ता को अंतिमसूची (Final List) भेजी जाती है, उसके अनुसार ही मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा देनी होगी । **अंतिमसूची से अलग दिये गए विवरणवाली परीक्षा रद्द मानी जाएगी और एसी उत्तर पुस्तिका का मूल्याकंन नहीं किया जाएगा ।**

४. मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा खंड में उपस्थित हर एक परीक्षार्थी अपनी नामलिखित उत्तर पुस्तिका लेकर तथा उसमें मांगा गया अन्य विवरण (जन्म दिनांक, शिक्षा) लिखकर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर अवश्य करवा लें । **वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर बिना लिखी गई उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

५. परीक्षार्थी केवल ब्लू या काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखें । पेन्सिल अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से **लिखी गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

६. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे । अस्पष्ट और पढ़ा न जा सके, ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे । **एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावटवाली उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

७. **परीक्षा खंड के बाहर** अथवा अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।

८. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व अनुमति के बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'स्थानापन्न' या 'सबस्टीट्युट राइटर' अथवा 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका रद्द मानी जाएगी ।**

९. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदावाद को पूर्व अवगत किए बिना, रजिस्टर्ड परीक्षा केन्द्र के बदले में अन्य परीक्षा केन्द्र से दी गई परीक्षा रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

१०. सत्संग प्रवेश, परिचय, प्रवीण एवं सत्संग प्राज्ञ (प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्रों में रजिस्टर्ड हुए) के लिए परीक्षार्थियों को दोनों प्रश्नप्रत्रों की परीक्षा देनी अनिवार्य है । **किसी भी एक ही प्रश्नपत्र की दी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

११. **मुख्य परीक्षा के दिन उत्तर पुस्तिका के अलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

१२. **परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान** किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लेपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है ।

१३. **प्राज्ञ की परीक्षा का फॉर्म भरने से पहले निम्नलिखित मुद्दे ध्यान में रखें ।**

- परीक्षार्थी एक ही साल में दोनो प्रश्नपत्र दे सकता है । अथवा पहले साल में पहला प्रश्नपत्र और दूसरे साल में दूसरा प्रश्नपत्र दे सकता है । **पहले प्रश्नपत्र में उत्तीर्ण (पास) होने के बाद ही दूसरा प्रश्नपत्र दिया जा सकता हैं ।** प्राज्ञ परीक्षा में केवल प्रथम प्रश्नपत्र या दूसरा प्रश्नपत्र देनेवाले को उत्तीर्ण होने के लिए उस प्रश्नपत्र में ४५ अंक प्राप्त करना आवश्यक है ।
- जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनो प्रश्नपत्र में रजिस्ट्रेशन कराया हो और यदि वह परीक्षार्थी किसी एक प्रश्नपत्र में ही उपस्थित रहता है और दूसरे प्रश्नपत्र में अनुपस्थित रहता है, **तो एक प्रश्नपत्र की दी गई उत्तर पुस्तिका का मूल्याकंन नहीं किया जाएगा ।** जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र दिए हों, उसे उत्तीर्ण होने के लिए ९० अंक प्राप्त करने होंगे ।
- प्राज्ञ परीक्षा देने वाले सभी परीक्षार्थी कृपया ध्यान रखें कि जो परीक्षार्थी अलग-अलग साल में प्रश्नपत्र प्रथम और प्रश्नपत्र दूसरा देते हैं, उनको प्रथम प्रश्नपत्र ४५ या उससे ज्यादा अंक से उत्तीर्ण करने के बाद **दूसरा प्रश्नपत्र ज्यादा से ज्यादा एक ही साल के विराम के बाद देना होगा ।** एक से ज्यादा साल की अनुपस्थिति के बाद दिया हुआ दूसरा प्रश्नपत्र स्वीकृत नहीं होगा । **ऐसे परीक्षार्थी को पुनः प्राज्ञ का प्रथम प्रश्नपत्र अथवा दोनों प्रश्नपत्र देने होंगे ।**
- प्राज्ञ परीक्षा के पारितोषिक विजेता की सूची में आनेवाले परीक्षार्थी में से जिन्होंने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र एक साथ एक ही साल में दिया हो, **उनको १० प्रतिशत (फिसदी) अंक पुरस्कार के रुप में दिए जाएगें** और इस तरह परीक्षार्थी पुरस्कार के योग्य माना जाएगा ।
- **नोंध :** जिस परीक्षार्थी ने **भारत की प्रवीण परीक्षा** उत्तीर्ण की हो, ऐसे ही परीक्षार्थी प्राज्ञ-१ परीक्षा दे सकते हैं ।

१४. **अवैद्य रजिस्ट्रेशन !!! परिणाम नहीं मिलेगा !!!**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १ गुण - ९		नाम	प्र - २ गुण - ६		नाम

विभाग - १ : किशोर सत्संग प्रवीण

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए। (कुल गुण : ९)

१. ''अत: आप भगवान स्वामिनारायण के सर्वोपरि रूप को प्रकट करनेवाला सुन्दर ग्रंथ रचो।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

..... गुण : ३

२. ''तो फिर पुत्रवधू को प्रेमपूर्वक यहाँ बुला लो और यहीं रखों।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

..... गुण : ३

३. ''इसीलिए प्रसन्न होकर प्रकट भगवान तुम्हारे यहाँ पधारे हैं।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. २ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। (कुल गुण : ६)

१. जीवा खाचर टीला पर की ज़मीन क्यों नहि दे पाए? गुण : १

.....

२. अक्षरधाम में जाने के लिए कौन से दो पंख हैं? गुण : १

.....

३. गृहस्थाश्रमी को कब किसका कितना प्रसंग रखना चाहिए? गुण : १

.....

४. हमारे इतिहास किसका जीवित प्रतिनिधि हैं? गुण : १

.....

५. सौ जन्म द्वारा उत्तम भक्त न होनेवाला इसी जन्म में कैसे उत्तम भक्त हो जाता है? गुण : १

.....

६. साधुओं के पंचवर्तमान लिखिए? गुण : १

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ३ निम्नलिखित विषय पर प्रमाणसर टिप्पणी लिखिए। (बारह पंक्तियों में) (कुल गुण : ८)

१. महिमा **अथवा** २. उपास्य स्वरूप का प्रकट स्वरूप (उपासना)

( ) ....

गुण : ४	

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ३ गुण - ८		नाम

३. उका खाचर **अथवा** ४. कृपानंद स्वामी

(　　) ....

गुण : ४	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [　　] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ४ निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं <u>तीन</u> के बारे में कारण लिखिए। (बारह पंक्ति में) (कुल गुण : ९)

१. प्रकट ब्रह्मस्वरूप संत का ध्यान व पूजा हो सकती है।

२. मूलजी और कृष्णजी त्यागी होने के लिए तैयार हो गए।

३. परम एकांतिक संत के संग से ही कल्याण होता है।

४. भगवान और संत बहुत दयालु हैं।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ३	

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ४ गुण - ९		नाम

गुण : ३

( )

गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक | | केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ५ गुण - ५		नाम

प्र. ५ 'भक्त पर यदि दु:खों....' - **'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण लिखिए। (कुल गुण : ५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ६ गुण - ६		नाम

प्र. ६ निम्नलिखित विषय के लिए सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को पंक्तिक्रम के अनुसार लिखिए। (कुल गुण : ६)

विषय : 'ध्यानचिंतामणि' सिर्फ द्वितीय पद की पंक्तियाँ

१. वहाला तारी भ्रूकुटिने बाणे श्याम, काळज मारां कोरियां रे लोल।

२. मन मारुं तलखे जोवा काज, टीबकडी छे गालमां रे लोल।

३. आवो ओरा छोगलां खोसुं छेल, खांतीला जोउं खांतमां रे लोल।

४. वहाला मारुं मनडुं मळवा च्हाय के जाय चित्तडुं चळी रे लोल।

५. वहाला तारुं झलके सुंदर भाल, तिलक रूडां कर्यां रे लोल।

६. वहाला तारा कंठ वच्चे तिल एक, अनुपम सार छे रे लोल।

७. मन मारुं मोह्युं मोहनलाल, पाघडलीनी भातमां रे लोल।

८. वहाला ते तो जाणे प्रेमी जन, जोई नित्य ध्यान धरे रे लोल।

९. जतन करी राखुं रसिया राज, विसारुं नहि उरथी रे लोल।

१०. वहाला तारी मूरति अति रसरूप, रसिक जोईने जीवे रे लोल।

११. वहाला तारा वामकरणमां तिल, तेणे मनडां हर्यां रे लोल।

१२. वहाला मुने वश कीधी व्रजराज, वालप तारा वहालमां रे लोल।

(१) केवल सही क्रमांक : | | | | | | | गुण : ३ | |

(२) यथार्थ पंक्तिक्रम : | | | | | | | गुण : ३ | |

सूचना : (१) केवल सही क्रमांक के सभी छः उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे।
(२) यथार्थ पंक्तिक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ७ गुण - ८		नाम

प्र. ७ निम्नलिखित जनमंगलस्तोत्रम्/कीर्तन/अष्टक/श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए। (कुल गुण : ८)

१. जनमंगलस्तोत्रम् : ॐ श्री स्वस्वरूपाचलस्थितये नमः .....

.....

.....

.....

.....

..... ॐ श्री उद्धवाध्वप्रवर्तकाय नमः। गुण : २

२. देशो मा हरिजननो .....

.....

.....

.....

.....

.....

..... तमने ए वर। गुण : २

३. अहो बत श्वपचोऽतो .....

.....

.....

.....

.....

.....

..... गृणन्ति ये ते॥ गुण : २

४. श्वासेन ..... शरणं प्रपद्ये॥ - श्लोक का हिन्दी में अनुवाद लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ८ गुण - ९		नाम	प्र - ९ गुण - ५		नाम

विभाग - २ : गुणातीतानंद स्वामी

प्र. ८ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए। (कुल गुण : ९)

१. ''परंतु जो गुरु की आज्ञा के अनुसार रहता है, उनमें महानपुरुष के गुण आते हैं।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

..... गुण : ३

२. ''तुम्हारा यह पुत्र साक्षात् नारायण की विभूति है।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

..... गुण : ३

३. ''मेरा अवगुण ग्रहण करना उसके हाथ में थोड़ी है? हम इस में नहीं बैठेंगे।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.९ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। (कुल गुण : ५)

१. कौन सुरापान करें तो वे भी अशुद्ध हो जाते हैं? गुण : १

.....

२. संजाया में महाराज ने स्वामी को बुलाकर क्या आदेश दिया? गुण : १

.....

३. करसन बांभणिया स्वामी के पास क्या क्यों लेकर आया? गुण : १

.....

४. सारंगपुर में महाराज ने आनंद स्वामी तथा मुक्तानंद स्वामी को क्या पूछा? गुण : १

.....

५. समाधि में तुलसी दवे ने स्वामी के साथ किस मार्ग पर गति की और कौन-सा लोक देखा? गुण : १

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१० निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं तीन के बारे में कारण लिखिए। (नौ पंक्ति में) (कुल गुण : ९)

१. ब्रह्मानंद स्वामी ने महाराज का अभिप्राय सुनकर कहा 'गुणातीतानंद स्वामी बहुत बड़े साधु हैं।'

२. गोपालानंद स्वामी प्रति वर्ष जूनागढ़ जाते थे।

३. मूलजी ने रामानंद स्वामी को गुरु के रूप में स्वीकार कर लिया।

४. वासुदेवचरण स्वामी को शाश्वत शांति का अनुभव हुआ।

( ) ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

.... | गुण : ३ | |

( ) ....

....

....

....

....

....

....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १० गुण - ९		नाम

गुण : ३

( )

गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.११ निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषय पर प्रमाणसर टिप्पणी लिखिए। (बारह पंक्तियों में) (कुल गुण : ८)

१. जूनागढ़ में मंदिर निर्माण का प्रारंभ   २. मैं आपमें निरंतर रहता हूँ   ३. हमारे तिलक

(   ) ....

गुण : ४	

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ११ गुण - ८		नाम

( )

गुण : ४

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १२ गुण - ४		नाम

प्र.१२ निम्नलिखित किन्हीं <u>एक</u> प्रसंग को संक्षिप्त में बयानकर भावार्थ लिखिए।
(बारह पंक्तियों में) (कुल गुण : ४)

१. वाघाखाचर को सषुप्ति अवस्था मिट गई　　२. स्वामी का महुवा में जाकर रहने का अर्थ

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

भावार्थ : .....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १३ गुण - ८		नाम

प्र.१३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें। (कुल गुण : ८)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं। सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा।

१. मूलजी भक्त का गृहत्याग — गुण : २ ☐

(१) ☐ संवत् १८७६

(२) ☐ संवत् १८६६

(३) ☐ पौष महीने की पूर्णिमा

(४) ☐ कार्तिकी पूर्णिमा

२. प्रागजी भक्त — गुण : २ ☐

(१) ☐ स्वर्गलोक देखा

(२) ☐ धर्मशाला, हवेली, मंदिर की सेवा

(३) ☐ चूना कुचलते

(४) ☐ षट्चक्र दिखाई दिए

३. दरिद्रता मिटाई — गुण : २ ☐

(१) ☐ मेरी पहचान तो है न !

(२) ☐ पेशावर जाने का किराया नहीं था।

(३) ☐ चक्की के नीचे रुपये।

(४) ☐ मावजी का हिस्सा रखने का आदेश।

४. मूलजी श्रोत्रिय को दिया हुआ आदेश — गुण : २ ☐

(१) ☐ शादी एक वर्ष के बाद करना।

(२) ☐ कोल्हू के पास फरकने भी नहीं देना।

(३) ☐ वासना का त्याग करना।

(४) ☐ वृत्ति का निरोध करना।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☐ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १४ गुण - ६		नाम

प्र.१४ निम्नलिखित वाक्य में से गलत शब्द को सुधारकर विषय के अनुलक्ष्य में सही वाक्य लिखिए। (कुल गुण : ६)

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा।

१. **निश्चय करवाया :** 'धर्म समझाने हेतु ही श्रीकृष्ण ने आपको अभी तक रखें हैं।' आचार्य के वचन से मुक्तानंद स्वामी को स्वामी का सर्वोपरि निश्चय हुआ और उनको महाराज की महिमा भी यथार्थ समझ में आई।

उ. .....

.....

..... गुण : १

२. **दर्शन की उत्कट इच्छा :** एक हरिभक्त इस आधी रात के समय नारायण के परोक्ष दर्शन हेतु मयूर की भाँति खड़े थे। अनराधार वर्षा के कारण छत से पानी की मुसलाधार धाराएँ हो रही थीं।

उ. .....

.....

..... गुण : १

३. **सोरठ का सत्संग :** एक दिन रास्ते में महंतजी की गाड़ी का एक बैल लँगड़ा हो गया। महंतजी ने सेवकों को पास के शहर में बैल लाने के लिए भेजा।

उ. .....

.....

..... गुण : १

४. **सूक्ष्म तप :** एक संत ने बीमार हरिभक्त को मूँग ला दिए। किन्तु मूँग बहुत अधिक मात्रा में लाए थे। अत: मंडल के सब हरिभक्त को पुन: दोबार बांटे! किर भी दो सेर मूँग बचे।

उ. .....

.....

..... गुण : १

५. **'मेरे वचन तो एक जोगी ही बदल सकते हैं' :** हरिभक्तों तो लकड़ी लेने तालाब की ओर चल दिए। थोड़ी देर में लकड़ी लेकर वापस लौट गए। तब नित्यानंद स्वामीने पूछा, 'मैं ने आपको मना की थी। फिर भी घास लेने क्यों गए?'

उ. .....

.....

..... गुण : १

६. **भादरा में महाराज द्वारा कही गई मूलजी की महिमा :** एकबार तो स्वामी ने सरोवर में एक बड़ी दरी (मोटा कपड़ा) पानी पर बिछवा दी! और उस पर सुंदरजी भक्त, वशराम पटेल आदि पार्षदों के साथ स्वयं बैठे।

उ. .....

.....

..... गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**